भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 4950

दिनांक 23 जुलाई, 2019 के लिए प्रश्न

विषय: राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के अंतर्गत पहलें

4950. श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिलः

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) डेयरी उद्योग के विकास हेतु राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा शुरू की गई पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने हाल में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के कार्यकरण की समीक्षा की है तथा यदि हां, तो इसके क्या परिणाम रहे तथा इसके कार्यकरण में अब तक क्या कमियां पाई गईं;

(ग) राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के प्रभावी कार्यकरण हेतु सरकार द्वारा क्या सुधरात्मक उपाय किए गए हैं/प्रस्तावित हैं; और

(घ) देश में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/प्रस्तावित हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

(डॉ. संजीव कुमार बालियान)

(क) राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी), डेयरी सहकारिता सेक्टर में डेयरी उद्योग के विकास के लिए काम कर रहा है। एनडीडीबी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की गई प्रमुख पहलें निम्नानुसार है:

(i) पशु प्रजनन

(ii) पशु स्वास्थ्य

(iii) पशु पोषण

(iv) डेयरी अवसरंचना

(v) डेयरी व्यवसाय में सूचना प्रौद्योगिकी

(vi) दूध तथा गोपशु आहार के लिए गुणवत्ता मार्क

(vii) दूध संपुष्टीकरण

(viii) पोषण का एनडीडीबी आधार

(ix) उत्पादक के स्वामित्व वाली संस्थाओं के वैकल्पिक रूप को प्रोत्साहन

(x) दूध उत्पादकों के जीवन स्तर के उत्थान के लिए पिछड़े क्षेत्रों में हस्तक्षेप

(xi) डेयरी सहकारिताओं का प्रबंधन

(क) पश्चिम असम दूध उत्पादक सहकारी संघ लि.

(ख) झारखंड दूध परिसंघ

(xii) दूध से परे किसानों की आजीविका में सुधार करना

क) सोलर पंप सिंचाईकर्ता सहकारी उद्यम की स्थापना

ख) गोबर-धन

ग) मधुमक्खी पालन

घ) सिलेज बेचने के लिए गोचर भूमि का व्यावसायीकरण

(ख) और (ग) पशुपालन और डेयरी विभाग समय-समय पर एनडीडीबी को कार्य-निष्पादन हेतु संस्वीकृत योजनाओं की समीक्षा करता है। एनडीडीबी द्वारा की गई सभी गतिविधियों की बोर्ड द्वारा सामान्यत: हर तीन माह के अंतराल पर समीक्षा की जाती है। यदि कोई सुधारात्मक कार्रवाई हो तो वह भी समय-समय पर की जाती है। एनडीडीबी अधिनियम, 1987 की धारा 8(2) के अनुसार संघ सरकार एनडीडीबी के निदेशक बोर्ड की नियुक्ति करती है, जिसमें निम्नलिखित शामिल होते हैं, नामत:

क) अध्यक्ष;

ख) केंद्र सरकार के पदाधिकारियों में से एक निदेशक;

ग) राज्य सहकारी डेयरी परिसंघ के अध्यक्ष में से दो निदेशक;

घ) एनडीडीबी के उच्चतम ग्रेड के अधिकारी वर्ग में से पूर्ण-कालिक निदेशक, जो तीन से अधिक नहीं होंगे;

ड़) एनडीडीबी के बाहर से, एक निदेशक, जो विशेषज्ञ होगा।

एनडीडीबी की वार्षिक रिपोर्ट, जिसमें यथोचित रूप से लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण होते है, संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखी जाती है। संसदीय स्थायी समिति ने लगातार दो वर्षों 2013-14 और 2014-15 से 'एनडीडीबी-एक मूल्यांकन'' विषय का चुनाव किया है। 2016-17 के दौरान उक्त समिति ने ''राष्ट्रीय डेयरी योजना का मूल्यांकन" विषय का चयन किया था। इसके अलावा, वर्ष 2015-16, 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के वर्षों के दौरान ''देशी गोपशु नस्लों के संरक्षण और विकास में NDDB की भूमिका" विषय था।

(घ) देश में दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पशुपालन तथा डेयरी विभाग निम्नलिखित डेयरी विकास योजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है, जिससे देश में दूध की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में वृद्धि होगी: -

(i) **राष्ट्रीय गोकुल मिशन** को देशी नस्लों का विकास और संरक्षण तथा उनके उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है-केंद्रीय सहायता

(ii) **डेयरी उद्यमशीलता विकास योजना** को दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने, दूध की खरीद, परिरक्षण/ढुलाई, प्रसंस्करण और विपणन को बढ़ाने जैसी गतिविधियों को कवर करते हुए डेयरी सेक्टर में स्वरोजगार के अवसरों के सृजन के उद्देश्य से कार्यान्वित किया जा रहा है-केंद्रीय सहायता

(iii) **राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम** को दुग्ध खरीद, प्रसंस्करण और विपणन के लिए अवसंरचना सृजित करने के उद्देश्य से कार्यान्वित किया जा रहा है-केंद्रीय सहायता

(iv) **राष्ट्रीय डेयरी योजना-I** को दुधारू पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने और इस प्रकार तेजी से बढ़ती दूध की मांग को पूरा करने के लिए दूध उत्पादन को बढ़ाने तथा ग्रामीण दूध उत्पादकों को संगठित दूध प्रसंस्करण सेक्टर तक बेहतर पहुंच प्रदान करने के लिए कार्यान्वित किया जा रहा है।

****